आज़ादी का
अमृत महोत्सव

DR. BHIM RAO AMBEDKAR COLLEGE
(University of Delhi)

Main Wazirabad Road, Yamuna Vihar, Delhi-110094, Phones: 22814126, Telefax: 22814747
Email: info@drbrambedkarcollege.ac.in; brambedkarcollege.du@gmail.com;
principal@drbrambedkarcollege.ac.in; www.drbrambedkarcollege.ac.in

drbrac @bhim_ambedkar brambedkarcollege DrBRAC DU DrBRAC DU

Ref: BRAC/PO/2024-25/ Dated: 16.04.2024

प्रेस विज्ञप्ति

18 वां बाबा साहेब डॉ भीमराव अम्बेडकर स्मृति व्याख्यान सम्पन्न

दिल्ली के यमुना विहार इलाके में स्थित डॉ. भीमराव अम्बेडकर महाविद्यालय का 18 वां बाबा साहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर स्मृति व्याख्यान सम्पन्न हो गया. दिल्ली विश्वविद्यालय का यह महाविद्यालय पिछले अठारह वर्षों से अम्बेडकर जयन्ती के मौक़े पर स्मृति व्याख्यान का आयोजन करता आया है जिसमें सामयिक संदर्भों से जोड़ते हुए डॉ. अम्बेडकर के जीवन एवं चरित के विविध पहलुओं पर केंद्रित विषय निर्धारित किए जाते हैं. इस कड़ी में इस वर्ष "राष्ट्र निर्माण में बाबा साहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर की भूमिका" विषय पर यह व्याख्यान आयोजित किया गया.

कार्यक्रम की रूप-रेखा प्रस्तुत करते हुए कार्यक्रम- सह संयोजक प्रोफेसर संगीता शर्मा ने महाविद्यालय को डॉ. अम्बेडकर की आकांक्षा स्थली बताया. कार्यक्रम संयोजनक डॉ. अरविन्द यादव ने कार्यक्रम की विधिवत शुरुआत के साथ इस बात पर जोर देते हुए कहा कि बाबा साहेब जिस राष्ट्र का सपना देखा करते, उसमें अधिकार के स्तर की समानता केन्द्र में है, बिना इसके एक राष्ट्र समतामूलक समाज के तौर पर विकसित नहीं हो सकता. अतिथि वक्ताओं का औपचारिक स्वागत एवं शिक्षक-छात्रों को संबोधित करते हुए महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. आर. एन. दूबे ने कहा कि बाबा साहेब एक ऐसी शख़्सियत रहे हैं जिनके जीवन एवं योगदान के कई अनछुए पहलू हैं जिन पर लगातार शोध एवं परिचर्चा किए जाने की आवश्यकता है. उन्हें याद करने का सही तरीका किसी एव वर्ग विशेष की ओर से पूजा किया जाना नहीं बल्कि समस्त भारतीयों को श्रम कानून, लैंगिक भेदभाव उन्मूलन एवं मजबूत राष्ट्र की परिकल्पना जैसे अलग-अलग मुद्दों को लेकर उनकी समझ, दर्शन, राजनीति और वैचारिकी को रेखांकित करते रहना है. आनेवाले दिनों में हमारी कोशिश रहेगी कि हमारे सभी शिक्षक उनके संदेशों और शोध के वाहक के तौर पर लोगों के बीच उपस्थित रह सकें.

व्याख्यान के विशिष्ट वक्ता एवं डॉ. अम्बेडकर की राजनीति में पीएच.डी.- राजनीति विज्ञान के एसोसिएट प्रोफेसर राजकुमार फुलवारिया ने बताया कि डॉ. अम्बेडकर एक विराट दर्शन है, ऐसे में उनके योगदान को किसी एक क्षेत्र या वर्ग तक सीमित करने देखना, उनके इस रूप को छोटा करना है. राष्ट्र निर्माण में भूमिका के कई स्तर होते हैं. औपनिवेशक भारत में अंग्रेजों के ख़िलाफ जंग यदि राष्ट्र निर्माण में योगदान देना है तो उन्हीं अंग्रेजों की आर्थिक नीति और टैक्स वसूली को लेकर गहन अध्ययन कर उनकी आलोचना करना और उनके ही संस्थान से अध्ययन करते हुए उन्हें दुनिया के सामने लाना भी कम बड़ा योगदान नहीं है. बाबा